जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 | वर्षः 29 | संख्याः 72 | प्रभात | अजमेर, गुरुवार 10 अक्टूबर, 2024 | आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

हरियाणा के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत वहाँ क्या कर रहे थे, चुनाव के दौरान?

जब पार्टी के विद्रोही, हरियाणा में बगावत पर आमादा थे तो क्या इस वरिष्ठ पर्यवेक्षक ने पार्टी के ज़मीनी हालात से हाईकमान को अवगत कराया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। यह प्रश्न नई दिल्ली से चंडीगढ़ और जयपुर तक पूछा जा रहा है कि हरियाणा चुनाव के दौरान पार्टी के सामने आ रही समस्याओं का समाधान करने के लिये, हरियाणा के लिये पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत आखिर क्या कर रहे थे।

जब पार्टी महासचिव तथा हरियाणा प्रभारी बीमार थे तथा कोमा में थे, तो उस स्थिति में, विद्रोहियों, जो पार्टी को नुकसान पहुँचा रहे थे, को संभालने के लिये, उनसे निपटने के लिये पर्यवेक्षकगण क्या कर रहे थे, तथा जो कुछ कुछ जमीनी स्तर पर हो रहा था, नेतृत्व को उसकी क्या जानकारी दी जा रही थी?

अशोक गहलोत और अजय माकन जैसे पर्यवेक्षक कहीं भी दिखाई या सुनाई नहीं दे रहे थे। किसी को भी नहीं मालूम, कि वे क्या कर रहे थे।

क्या गहलोत केवल किसी पद की फिराक में थे ताकि वे दुनिया को दिखा सकें कि उनका राजनैतिक अस्तित्व खत्म नहीं हुआ है?

- क्या अशोक गहलोत का हरियाणा जाने का मकसद केवल यह था कि जनता में यह मैसेज जाये कि वे पार्टी में अभी भी राजनीतिक दृष्टि से लुप्त नहीं हुए हैं, अभी भी अहमियत रखते हैं।
- यह ही स्थिति, दूसरे पर्यवक्षेक अजय माकन की थी।
- कुछ ऐसे ही सवाल के.सी. वेणुगोपाल के बारे में पूछे जा रहे हैं। जैसा कि विदित ही है, वेणुगोपाल को राहुल गांधी ने अपनी ''पावर ऑफ एटॉर्नी'' दे रखी है, उन्होंने हरियाणा में पाँच टिकट दिलवाये थे तथा पाँचों उम्मीदवार वहाँ हारे।
- अगर राहुल गांधी को पार्टी का सर्वोच्च नेता बने रहना है तो उन्हें अपने ''घर'' को संभालना होगा और उन सब पुराने लोगों को हटाना होगा जो आज के संदर्भ में मायने नहीं रखते और पार्टी के हित के खिलाफ काम कर रहे हैं। राहुल पार्टी का संचालन आउट सोर्स कर सकते हैं, अपने चाटुकारों को, उन्हें ''हैण्ड्स ऑन अप्रोच'' अपनानी पड़ेगी तथा पार्टी की मैली राजनीति में अपने हाथ गंदे करने पड़ेंगे।

और भूपिन्दर सिंह हूडा, जो उनके पुराने मित्र हैं, जैसे वरिष्ठ नेताओं द्वारा उन्हें क्या संरक्षण/प्रोत्साहन दिया जा रहा था।

वेणुगोपाल, राहुल गांधी द्वारा पावर ऑफ अटॉर्नी दे दिये जाने के कारण, पार्टी में सत्ता के एकमात्र केन्द्र बने हुये हैं। उन्होंने पांच लोगों को टिकट दिये थे तथा वे सब के सब चुनाव हार गये। इनमें एक महिला भी शामिल हैं, जो उनके निकट मानी जाती हैं, वे चौथे नम्बर पर रही हैं।

इस बड़ी पराजय के बाद, राहुल को अपने घर को व्यवस्थित करने की जरुरत है तथा फालतू लोगों, भाजपा-एजेंटों, अक्षम लोगों को हटा देने की जरुरत है, जो पार्टी हित के विरुद्ध काम कर रहे हैं।

अगर राहुल सर्वमान्य नेता बने रहना चाहते हैं तो उन्हें पार्टी के जिम्मेदारी पूर्ण काम बाहर के लोगों तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

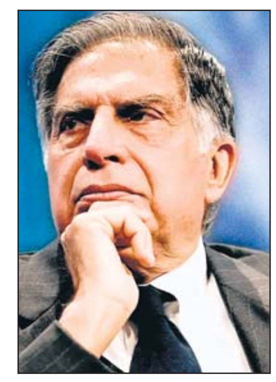

रतन टाटा नहीं रहे

मुंबई, 9 अक्टूबर। मशहूर उद्योगपति रतन टाटा का निधन हो गया है। उन्होंने 86 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और उनका मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में इलाज चल रहा था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, श्री रतन टाटा जी एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। इससे पहले 7 अक्टूबर को कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रतन टाटा ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेंसिव

- टाटा समूह के चेयरमैन 86 वर्षीय रतन टाटा ने मुबंई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अप्रत्याशित हार के बाद अपमान के घाव भी मिल रहे हैं कांग्रेस को

इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने कांग्रेस को आँखे दिखानी शुरु कर दी हैं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। इस समय कांग्रेस केवल भाजपा से मिले चुनावी आघात एवं जख्म से ही नहीं, बल्कि इंडिया ब्लॉक के गठबंधन पार्टनरों से काफी हद तक अपमानित महसूस कर रही है।

हरियाणा में अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद, भाजपा को सत्ता से हटा पाने की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में कांग्रेस के असफल रहने के बाद, इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने इस 'ग्रांड ओल्ड पार्टी' के विरुद्ध बड़े बोल बोलने शुरु कर दिए हैं। अरविन्द केजरीवाल की आप ने घोषणा कर दी है कि वह आगामी दिल्ली चुनाव अपने बलबूते पर लड़ेगी। उधर, महाराष्ट्र में एम.वी.ए. की गठबन्धन पार्टनर शिव सेना ने अपने मुखपत्र ''सामना'' में अत्यन्त कटु सम्पादकीय लिखा है। सम्पादकीय कांग्रेस की आलोचना करते हुये कहता है कि कांग्रेस ने ''आन्तरिक अनबन'' और अति आत्मविश्वास एवं अधिकार मान लेने की भावना'' के फलस्वरुप, हरियाणा की स्पष्ट एवं सहज जीत का अवसर गँवा दिया है। उद्धव ठाकरे एम.वी.ए. के दोनों पार्टनरों पर दबाव बनाये हुये हैं कि महाराष्ट्र के चुनावों से पहले मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर दिया जाये। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अखिलेश यादव ने भी कांग्रेस नेताओं से चर्चा किये बिना ही, इसी साल होने वाले 10 विधानसभा उपचुनावों की 10 में से 6 सीटों के लिये उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। आठ अक्टूबर को हुई चुनाव परिणामों की घोषणा को एक दिन भी नहीं हुआ, और घटनाक्रम ऐसे संकेत देने लगा है कि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को हुआ लाभ, तथा उसके बाद, राहुल गांधी का नेता, प्रतिपक्ष बनना, इन दोनों ही उपलब्धियों का महत्व अब कम होने लगा है। इस अर्थ में, कांग्रेस की हरियाणा में हुई हार कांग्रेस के लिये राष्ट्रव्यापी महत्व रखती है तथा यह हार इस सोच को भी मजबूत कर रही है कि कांग्रेस जीती हुई लड़ाई भी हार जाती है।

- लोकसभा चुनावों के अच्छे प्रदर्शन और फिर राहुल गांधी के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद कांग्रेस फूली नहीं समा रही थी तथा सहयोगी दल कुछ शांत से थे। हरियाणा चुनावों की हार से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को कांग्रेस पर उंगली उठाने का मौका मिल गया है।
- आप ने कह दिया है कि वो दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। वहीं सपा ने भी यू.पी. की दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के लिए 6 सीटों पर प्रत्याशियों की एकतरफा घोषणा कर दी।
- महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिव सेना ने अपने मुख पत्र सामना के संपादकीय में कांग्रेस की कड़ी आलोचना की।

जम्मू-कश्मीर में इंडिया ब्लॉक की निर्णायक जीत का जिक्र करते हुये, ''सामना'' के सम्पादकीय में कहा गया है कि आप जैसे मित्र दलों से परामर्श न करना, हरियाणा में कांग्रेस के लिये महँगा साबित हुआ है। जहाँ तक आप नेताओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

के.एस. मोटर्स प्रा. लि.: एम. आई. रोड: 7574808728, वैशाली नगर: 07942530977, वी.के.आई. रोड नं0 5: 9783384408, (ब्रांच):- कोटपुतली: 8852884871, 9166409090, शाहपुरा: 9001238949, 9461671901, लालसोट: 9414570752, महुआ: 9829552732, बस्सी: 7574808728, दूदू: 9929236333, विराटनगर: 9929373114, बांदीकूई: 9414517132, जोबनेर: 8094582000, जैतपुरा: 9460466992, 9828150910, दौसा: 8233279427, 9414045855, जयपुर: ऑटो वर्ल्ड टोंक रोड, प्रतापनगर: 8929653907, राजापार्क: 8929653907, (ब्रांच):- सवाईमाधोपुर: 8929653907, गंगापुरसिटी: 8929653907, टोंक: 8929653907, अलवर: जे.एस. फोरव्हील मोटर्स प्रा. लि. अलवर, बहरोड़, करौली: 8302658892, भिवाड़ी: 9289464947, धौलपुर/भरतपुर: 9625374409, सीकर: गहलोत मोटर्स प्रा. लि. सीकर: 9414039978, 9983086958, श्रीमाधोपुर: 7412074594, झुंझुनूं: 9414059948, उदयपुरवाटी: 9414039952, चिड़ावा: 7412049988, खेतड़ी: 9983560927, नीम का थाना: 9414033482, बीकानेर: बीकानेर मोटर्स प्रा. लि. बीकानेर/चूरू/सुजानगढ़: 8527241179 , उदयपुर: के.एस. ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि. उदयपुर: 7574808555, आईओसी पेट्रोल पम्प, गोवर्धन विलास, उदयपुर: 9001317899, प्रतापगढ: 7727087373, 9001897397, बांसवाड़ा: 7727011069, 9773316278, 9773318630, 9773326964, 9950207844, डूंगरपुर: 9001297956, 8233009909, सागवाड़ा: 7726006927, 9929958164, चित्तौड़गढ़: 8003093548, 8233009810, 9001799790, 9773396753, 9116629684, प्रतापगढ़: 7727087373, 9001897397, रावतभाटा: 8233009810, आबूरोड़: 9116504111, 9928040209, सिरोही: 9929958177, 7727083939, 8529080964, भीलवाड़ा: भीलवाड़ा एग्रो ऑटो सर्विस (प्रा.) लि. भीलवाड़ा/बिजोलिया/राजसमन्द/भीम: 8875016206, कोटा: एवरग्रीन मोटर्स कोटा: 9654126004, 9928911655, क्यूब: 9654126004, 9829029755, बूंदी: 9654126004, 9829226555, बारां: 9654126004, 9829226655, झालावाड़: 9654126004, 9928922755, अजमेर: परम ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि. अजमेर: 9205995747, किशनगढ़: परम महिंद्रा किशनगढ़: 9205995747, 9521815789, नागौर: नागौर ऑटोमोबाईल्स प्रा. लि. नागौर: 7291983310, 8003899701, (ब्रांच) मेड़ता : 7291983310, 9414119003, डेगाना : 7291983310, 9414603205, कुचामन सिटी : 7291983310, 9413385702, डीडवाना : 7291983310, 9829146228, छोटी खाटू : 8239343536, लाडनूं: 7291983310, 9314014841, गंगानगर: वी. डी. मोटर्स प्रा. लि. श्रीगंगानगर: 9672078696, 9672078697, 9414093025, 9414093041, सूरतगढ: 9672064445, 9414093016, अनूपगढ़: 9414093027, हनुमानगढ़: 9214093020, 9672064447, 9672058887, नोहर: 9672028885, जोधपुर: ओ. एस. मोटर्स जोधपुर: 9413078666, 7791960164, बाड़मेर: 7023067805, बालोतरा: 9664251725, जैसलमेर: 7340105190, फलोदी: 9413660844, पाली: 9610078677, सुमेरपुर: 9784839760, जालौर: 9772708668, भीनमाल: 9829809490, सांचौर: 9602664390, जैतारन : 9024835145, बासनी : 9829433352